

बेफिकर मैं रहता हूँ जबसे,
सब मेरी फिकर वो रखता है,
मैं नींद चैन की सोता हूँ,
मेरी खातिर वो जगता है ॥

मंज़ूर नहीं वो दोनो जहा,
जिसमे मेरा श्याम नहीं बसता,
नित्य तू डुबकी लगा मन रे,
यहा प्रेम का दरिया बहता है ।

बेफिकर मैं रहता हूँ जबसे,
सब मेरी फिकर वो रखता है,
मैं नींद चैन की सोता हूँ,
मेरी खातिर वो जगता है ॥

वो मनमोहन घनश्याम किशन,
छुलिया उसके है नाम कई,
गागर में कई सागर उसके,
दिल खोल लूटाया करता है ।

बेफिकर मैं रहता हूँ जबसे,
सब मेरी फिकर वो रखता है,
मैं नींद चैन की सोता हूँ,
मेरी खातिर वो जगता है ॥

पाने के लिए इच्छाएँ बहुत,
खोने के लिए तो कुछ भी नहीं,
इस मन को तराजू तोलो हरी,
लहरी ये भटकता रहता है।

बेफिकर मैं रहता हूँ जबसे,
सब मेरी फिकर वो रखता है,
मैं नींद चैन की सोता हूँ,
मेरी खातिर वो जगता है ॥

Source:

<https://www.bharattemples.com/befikar-main-rehta-hu-jabse-bhajan-in-hindi/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>